अलग निकालो

- सभी झुंड के पास बने खाली गोले में, झुंड से अलग चीज़ का चित्र बनाओ।
- हर चित्र के पास उसका नाम लिखो।

कौआ, मोर, इमली, तोता
बिना पंख के कौन होता?

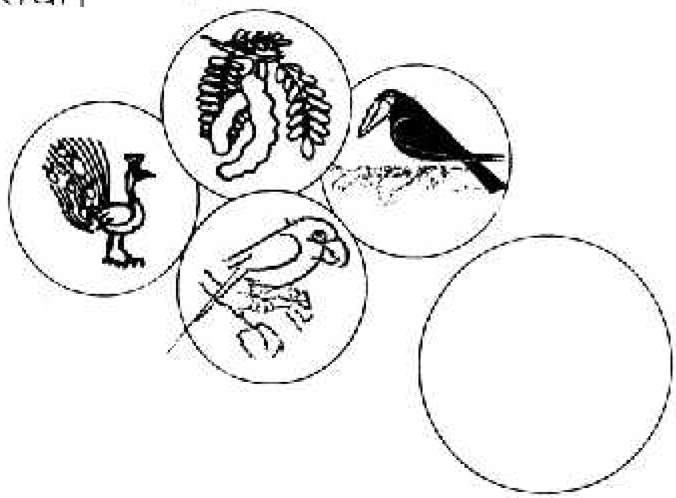

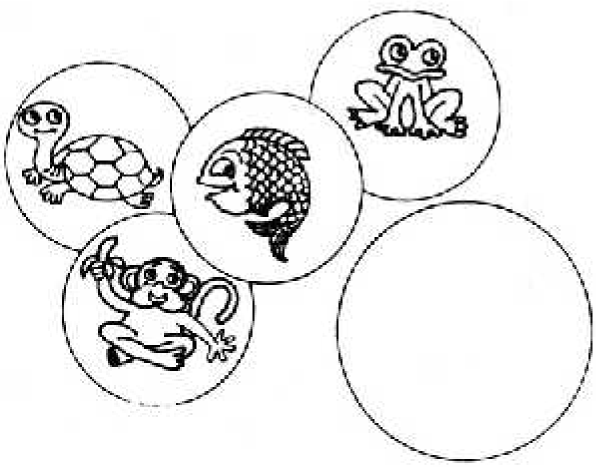

मछली, कछुआ, मेंढक, बन्दर
कौन नहीं पानी के अन्दर?

भैंस, बकरी, कुत्ता, गाय
ऐसा कौन जो घास न खाए?

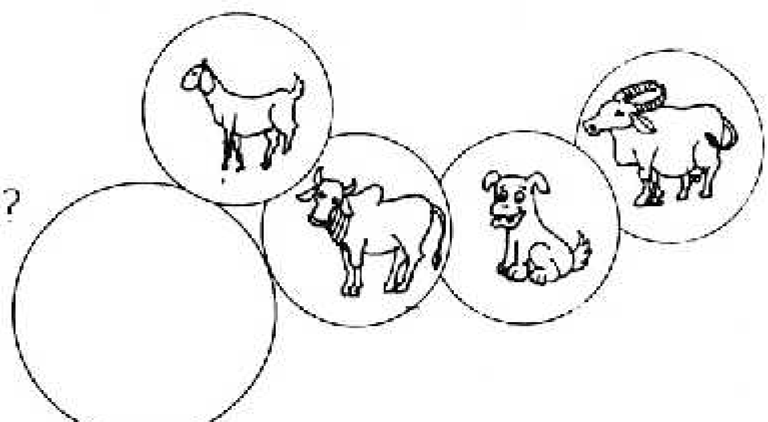

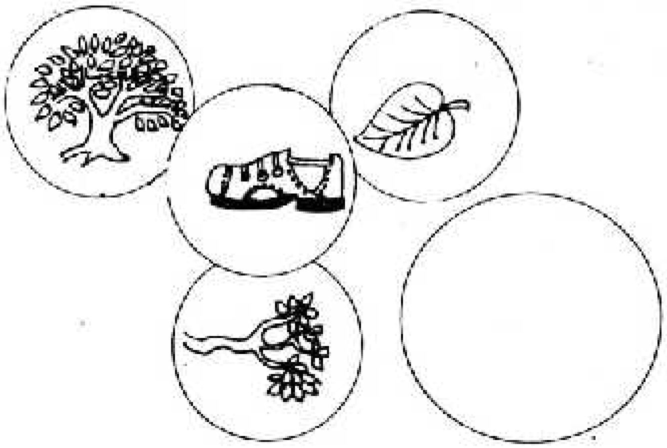

पेड़, पत्ता, जूता, डाल
इनमें से एक अलग निकाल

डाल डाला
निकाल निकाला

पत्ता पत्तल पकता
पकड़ पड़ता पहाड़

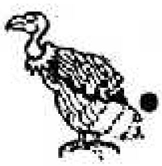

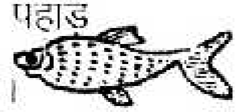

● चित्र कार्ड या बाहर से सामग्री लाकर और ऐसी पहेलियाँ बनाओ।

● अलग करो और नाम लिखो।

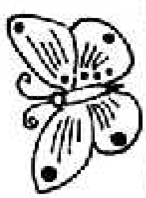

चार पैर वाले	पानी में रहने वाले	उड़ने वाले

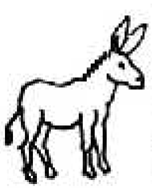

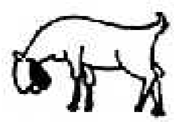

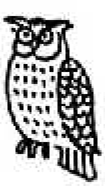

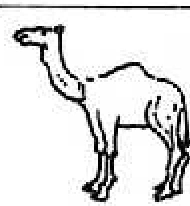

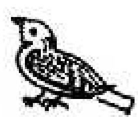

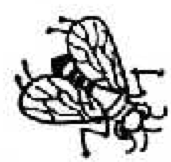

तितली और घर

- हर खाली घर में एक तितली बनाओ।

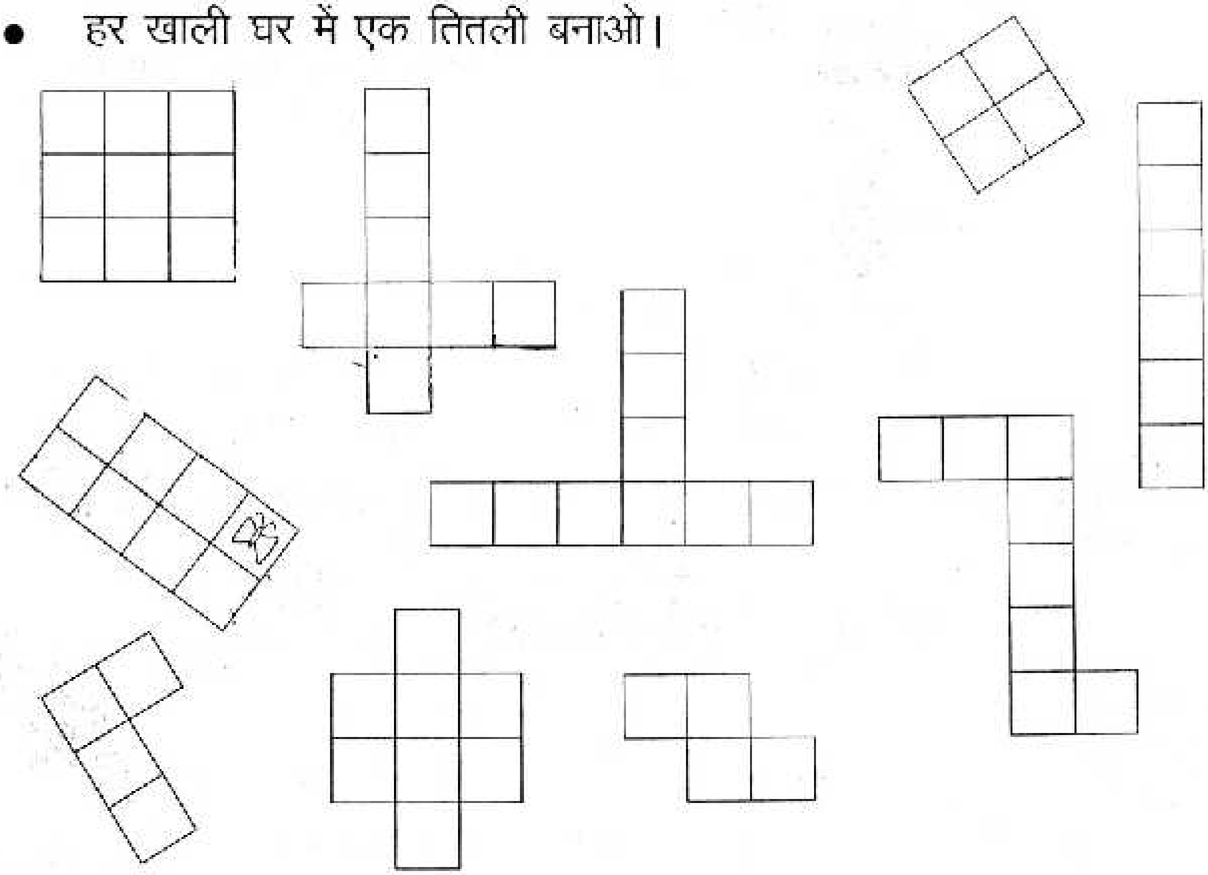

- ऊपर बने चित्रों में घर गिनो। सबसे ज़्यादा घर वाले चित्रों में पीला रंग करो।
- सबसे कम घर वाले चित्रों में हरा रंग भरो।
- आठ घर वाले कितने चित्र हैं ?.............. ● चार घर वाले...............चित्र हैं।
- कौनसी आकृति सबसे बड़ी है? पट्टी पर या धूल में 4, 8, 9 घर वाली और आकृतियाँ बनाओ। 5, 6, 7 घर वाली भी तरह–तरह की आकृतियाँ बनाओ। हर संख्या की कितनी तरह की आकृतियाँ बना पाए?

मकड़ी-ककड़ी-लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं
दादा तीन चीज़ें देखीं
एक डाल पर थी इक मकड़ी
लकडी पर बैठी थी मकड़ी
मकड़ी खा रही थी ककड़ी
लकडी, मकड़ी, ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकडी, मकड़ी

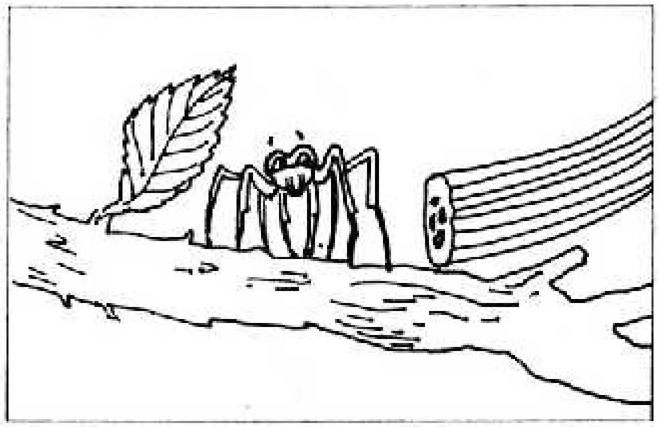

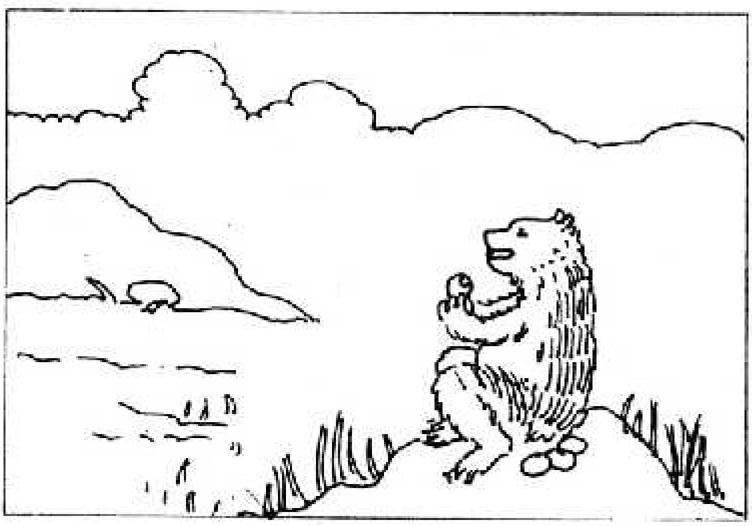

हमने तीन चीज़ें देखीं
दादा तीन चीज़ें देखीं
एक खेत में थी कुछ बालू
बालू पर बैठा था भालू
भालू खा रहा था आलू,
बालू, भालू, आलू,
भालू, आलू, बालू,
आलू, बालू, भालू

आलू	आला
भालू	भाला
बालू	बाला

- टिल्लू ककडी खा रहा है।
- सुरता ककड़ी.............. ।
- टिल्लू ने ककड़ी खाई।
- सुरता ने...................... ।

मकड़ी	मकड़ियाँ
लकड़ी	लकड़ियाँ
ककड़ी	ककड़ियाँ

चित्र पूरा करो और नाम लिखो

6
छह खिड़कियाँ

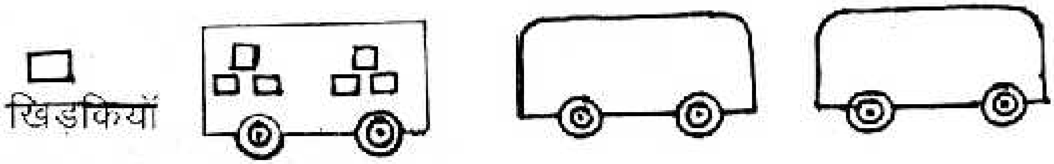

5
पाँच आम

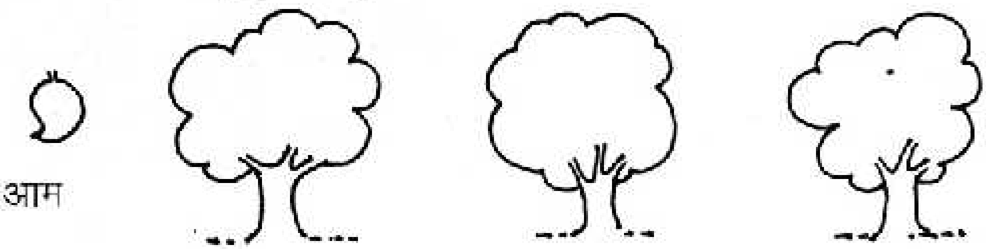

2
दो दरवाजे

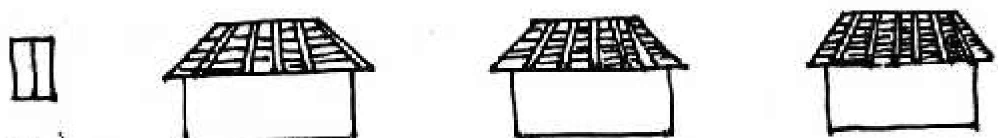

4
चार मछलियाँ

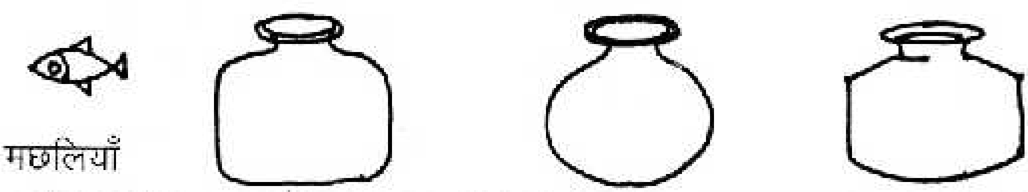

- कंकड़ लाकर हर खिडकी दरवाजे **आम**, मछली पर एक एक जमाओ।
- कौन सी सबसे अधिक बनाई ? कौन सी सबसे कम?

एक	अनेक
खिड़की	खिड़कियाँ
दरवाजा	————
मछली	————
आम	————
लड़का	————
लड़की	————

छिपकली और चूहा

किस ताक मे ज़्यादा बोतलें हैं?

किस बोतल में सबसे ज्यादा चीजे हैं?

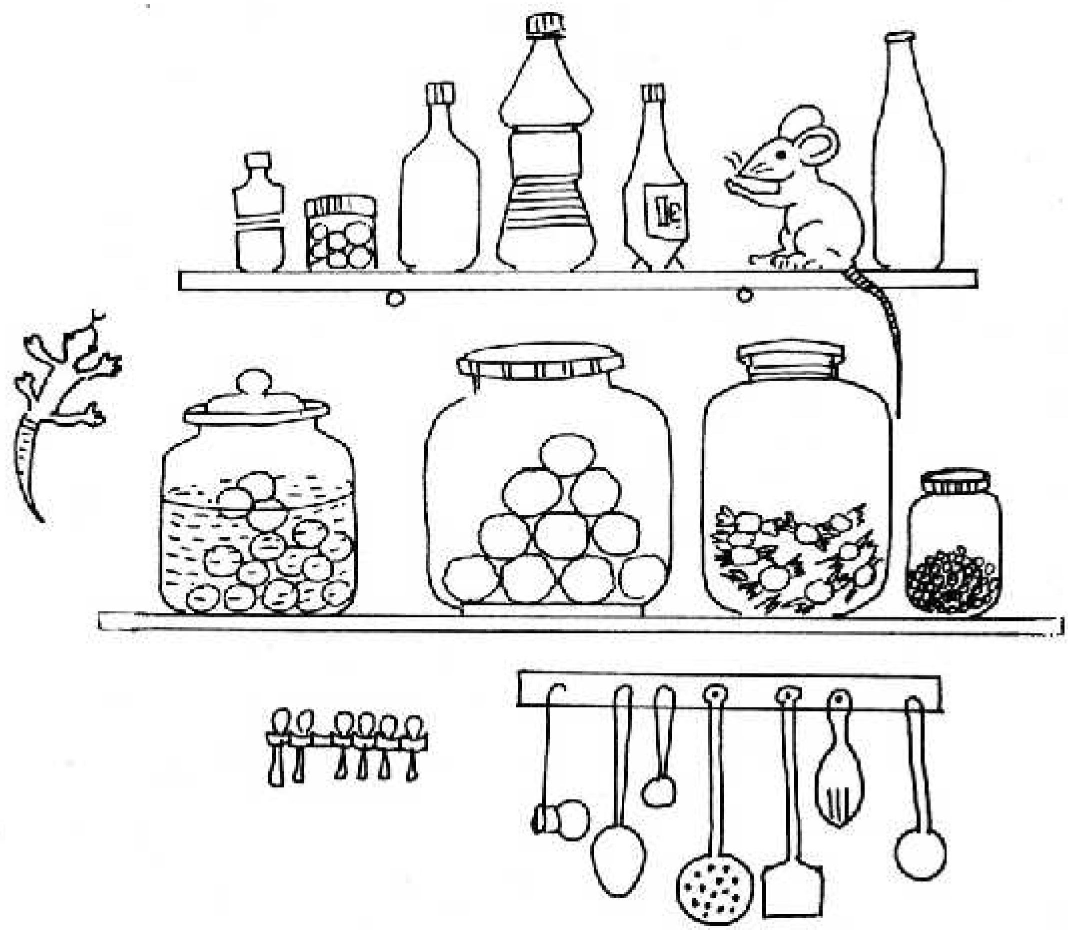

- दीवार पर क्या-क्या चीजें लटकी है? उनके नाम लिखो।
- लम्बे पटिये पर ज़्यादा चीजें हैं या छोटे पर?
- कहानियाँ बनाओ

पीली पतंग

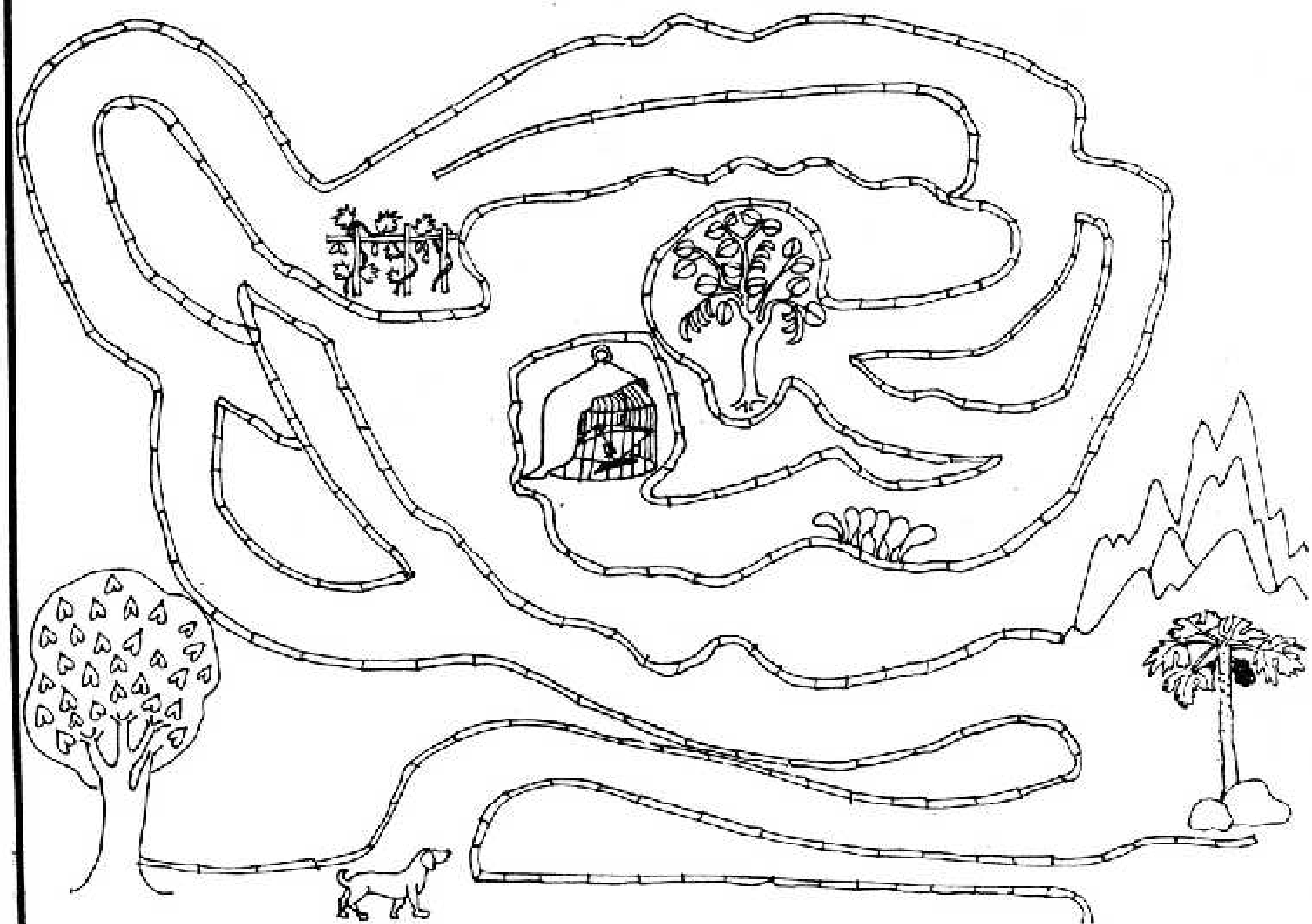

एक पीली पतंग और एक पिल्ले में बहुत दोस्ती थी। दोनों एक पीपल के पेड़ के नीचे रहते थे।

एक दिन अचानक आंधी आई। ज़ोर से हवा चली और पतंग उड़कर गायब हो गई। पिल्ले ने पतंग को बहुत ढूंढा। पर पतंग कहीं नहीं मिली।

आखिर पीपल ने पिल्ले से कहा–उधर नीले पहाड के पास एक बड़ा सा पत्थर है। वहां एक पपीते का पेड़ है। शायद वो बता सके हमारी पतंग कहां है।

पिल्ला गया उस पपीते के पेड़ के पास। पपीते के पेड ने उसकी बात सुनकर कहा – एक–दो मोड़ के बाद मिलेगी एक परवल की बेल। उससे पता करो। तो पिल्ला गया परवल के पास। परवल ने कहा–आगे जाओ। मुझसे छोटा जो भी पौधा मिले, उससे पूछना।

पिल्ला आगे बढा। कुछ दूर पर उसे पलाश का पेड़ मिला। लेकिन वो तो बहुत बड़ा था। इसलिये पिल्ला और आगे बढ़ा। थोड़ी देर में उसे दिखा एक पालक का गुच्छा।

पिल्ला बहुत खुश हुआ। उसे लगा कि उसकी प्यारी पतंग मिलने वाली है। पालक ने कहा–उधर देखो, एक पिंजरा है। पर वह पिंजरा परदे से ढंका हुआ है। तुम उसे अपने पंजों से नहीं हटा सकते, पैरों से नही हटा सकते। सिर्फ पूंछ से ही हटा सकते हो।

पिल्ला और आगे बढ़ा। उसे वो परदे से ढका पिंजरा दिखा। उसने झट अपनी पूंछ से परदा हटा दिया। और पता है उसने क्या देखा–अपनी पीली पतंग।

● कहानी मे 'प' वाले शब्दो पर गोला लगाओ।

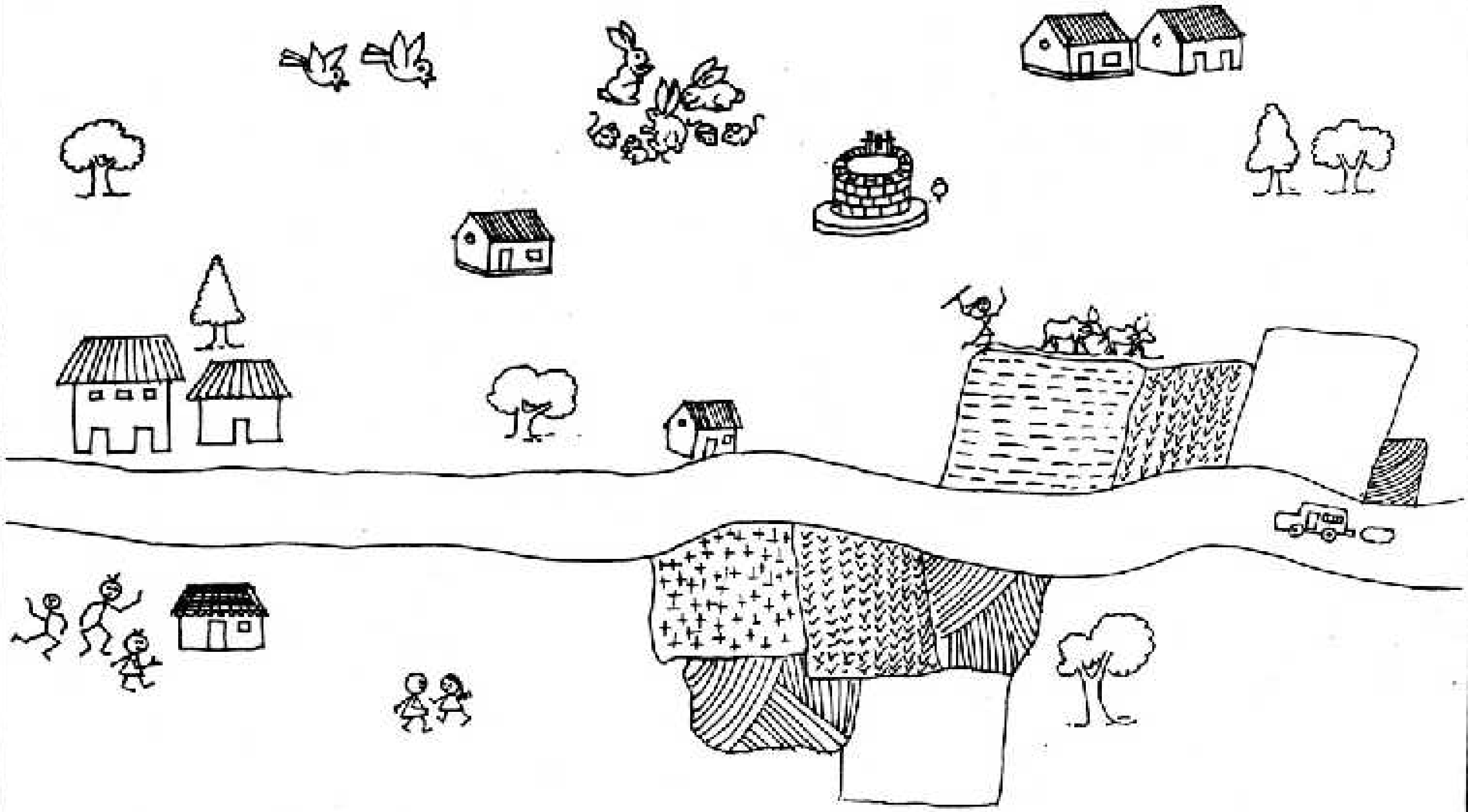

ऊपर के चित्र में गिनो

- कितने 2 दरवाजे के घर है ?
- कितने ऐसे पेड़ हैं और कितने खेत हैं?
- चित्र में बाकी चीजों को भी गिनो और पट्टी पर लिखो।

चित्र में बनाओ

- 5 पेड़ ऐसे
- 3 चिड़ियाँ ऐसी
- 4 साइकिल ऐसी
- 4 घर ऐसे
- सडक पर 6 मोटर ऐसी

- अपने दोस्तों के साथ भी एसे खेल खेलो। एक कहे बनाने को, दूसरा बनाए।